

अंक योजना
अति गोपनीय
(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 (X)
विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
पेपर कोड– 32/2/2

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियम: पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड-क, खंड-ख, खंड-ग और खंड-घ। खंड-क इतिहास है, खंड-ख भूगोल है, खंड-ग राजनीति विज्ञान है और खंड-घ अर्थशास्त्र हैं। 1- उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर-पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2- प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3- किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4- यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5- परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक- योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं। ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में हैं और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (✓) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिह्न नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।

8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है, तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्यांकन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात् प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	<p>सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानान्तरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देशों में दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परीक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षक को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना
विषय: सामाजिक विज्ञान (087) 2026
कक्षा: दसवीं
पेपर कोड 32/2/2

सेट 2
अधिकतम अंक: 80

प्र सं.	अपेक्षित मूल्य बिन्दु		पृष्ठ सं.	अंक
	खण्ड क (इतिहास)			20
1.	(C)	जर्मनिया निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 1 के स्थान पर है।	25	1
	(C)	हंगरी	18	1
2.	(A)	भीमराव अम्बेडकर और महात्मा गाँधी	44	1
3.	(C)	आयरलैंड	55	1
4.	(D)	II,IV,III,I	106—120	1
5.	(A)	अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।	12	1
6.	(B)	चेचक	55	1
7.	(क)उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान पोलैंड में राष्ट्रवाद के विकास में भाषा की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (i) रूसी कब्जे के बाद, पोलिश भाषा को स्कूलों से बलपूर्वक हटा दिया गया और रूसी भाषा को हर जगह जबरन लादा गया। (ii) पोलैंड में कई पादरियों ने राष्ट्रवादी विरोध के लिए भाषा को एक हथियार बनाया। (iii) चर्च के आयोजनों और संपूर्ण धार्मिक शिक्षा में पोलिश भाषा का इस्तेमाल किया जाने लगा। (iv) पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है। अथवा		15	3X1=3

	<p>(ख) 1815 की वियना संधि के मुख्य प्रावधानों का विश्लेषण कीजिए।</p> <p>(i) राजशाही को पुनःस्थापित किया गया।</p> <p>(ii) फ्रांस में बूर्बो वंश को सत्ता में पुनः बहाल किया गया।</p> <p>(iii) फ्रांस ने नेपोलियन शासन के दौरान अधीन किए क्षेत्रों को खो दिया।</p> <p>(iv) भविष्य में फ्रांस के विस्तार को रोकने के लिए फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्यों की स्थापना की गई।</p> <p>(v) उत्तर में नीदरलैंड्स राज्य को स्थापित किया गया जिसमें बेल्जियम भी शामिल था।</p> <p>(vi) दक्षिण में जेनोआ को पीडमोंट में जोड़ दिया गया।</p> <p>(vii) प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए।</p> <p>(viii) प्रशा को सैक्सनी का एक हिस्सा प्रदान किया गया।</p> <p>(ix) ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया।</p> <p>(x) रूस को पोलैंड का एक हिस्सा दिया गया।</p> <p>(xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।</p>	10-11	3X1=3
8.	<p>(क) 'असहयोग आंदोलन' में शहरी मध्य वर्ग की भूमिका की व्याख्या कीजिए।</p> <p>(i) हजारों विद्यार्थियों ने सरकारी विद्यालयों और कॉलेजों को छोड़ दिया, प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने इस्तीफा दे दिया।</p> <p>(ii) वकीलों ने मुकदमों में लड़ने छोड़ दिए।</p> <p>(iii) परिषद चुनावों का बहिष्कार किया गया।</p> <p>(iv) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया।</p> <p>(v) शराब की दुकानों की पिकेटिंग की गई।</p> <p>(vi) विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई, 1921 और 1922 के बीच विदेशी कपड़े का आयात आधा हो गया।</p> <p>(vii) कई जगह व्यापारियों ने विदेशी वस्तुओं में व्यापार करने या विदेशी व्यापार में निवेश करने से इनकार कर दिया।</p> <p>(viii) लोगों ने आयात किए गए कपड़े छोड़ दिए और केवल भारतीय कपड़े जैसे खादी पहनना शुरू कर दिया।</p> <p>(ix) भारतीय वस्त्र मिलों और हथकरघा का उत्पादन बढ़ गया।</p> <p>(x) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p> <p>अथवा</p> <p>(ख) इतिहास की पुनर्व्याख्या ने भारत में किस प्रकार राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की? व्याख्या कीजिए।</p> <p>(i) राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न करने के लिए, इतिहास की पुनर्कल्पना करना महत्वपूर्ण था ताकि नागरिकों में सामूहिक पहचान की भावना जागृत हो सके।</p> <p>(ii) उन्नीसवीं सदी के अंत तक कई भारतीयों ने महसूस किया कि भारतीय इतिहास के बारे में अलग तरह से सोचना जरूरी था ताकि राष्ट्र के नागरिकों में गर्व की भावना उत्पन्न हो।</p> <p>(iii) भारतीयों ने भारत की महान उपलब्धियों को खोजने के लिए अतीत की ओर देखा, जिससे राष्ट्रवाद का विकास हुआ।</p> <p>(iv) उन्होंने कला और वास्तुकला की उपलब्धियों के विषय में लिखा।</p> <p>(v) उन्होंने विज्ञान और गणित की उपलब्धियों को उजागर किया, जिससे राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिला।</p> <p>(vi) उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों को रेखांकित किया गया।</p>	34	5X1=5
		48	5X1=5

	<p>(vii) उन्होंने प्राचीन काल में फले-फूले कानून, दर्शन, शिल्प और व्यापार को भी रेखांकित किया।</p> <p>(viii) उनकी दृष्टि में, भारतीय इतिहास के पतन तब शुरू हुआ जब इसे उपनिवेशित किया गया।</p> <p>(ix) इन राष्ट्रवादी इतिहासों ने पाठकों को भारत की अतीत की महान उपलब्धियों पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित किया।</p> <p>(x) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>		
9.	<p>दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।</p> <p style="text-align: center;">‘प्रिंट और प्रतिबंध’</p> <p>1857 के विद्रोह के बाद प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति औपनिवेशिक सरकार का रवैया बदल गया। क्रुद्ध अंग्रेजों ने ‘देशी’ प्रेस का मुँह बंद करने की मांग की। ज्यों – ज्यों भाषाई समाचार पत्र राष्ट्रवाद से समर्थन में मुखर होते गए, त्यों – त्यों औपनिवेशिक सरकार ने कड़े नियंत्रण के प्रस्ताव पर बहस तेज होने लगी। आइरिश प्रेस कानून के तर्ज पर 1878 में ‘वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट’ लागू किया गया। इससे सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक हक मिल गया। अब से सरकार ने विभिन्न प्रदेशों से छपने वाले भाषाई अखबारों पर नियमित नजर रखनी शुरू कर दी। अगर किसी रपट को बागी करार दिया जाता था तो अखबार को पहले चेतावनी दी जाती थी, और अगर चेतावनी अनसुनी हुई, तो अखबार को ज़ब्त किया जा सकता था और छपाई की मशीनें छीन ली जा सकती थी।</p> <p>(9.1) ‘वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट’ का प्रेरणा स्रोत कौन –सा एक्ट था? 1 आइरिश प्रेस कानून</p> <p>(9.2) औपनिवेशिक सरकार प्रेस की स्वतंत्रता की पक्षधर क्यों नहीं थी? 1</p> <p>(i) भारतीय समाचार पत्र राष्ट्रवाद के समर्थन में मुखर होते जा रहे थे।</p> <p>(ii) औपनिवेशिक सरकार द्वारा भारतीय समाचार पत्रों पर कड़े नियंत्रण स्थापित करने की बहस तेज हो गई।</p> <p>(iii) 1857 के विद्रोह के बाद, क्रुद्ध अंग्रेजों ने ‘देशी प्रेस’ का मुँह बंद करने की मांग की।</p> <p>(iv) औपनिवेशिक सरकार को क्रांतिकारी विचारों के प्रसार का भय था।</p> <p>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किसी एक बिन्दु का उल्लेख कीजिए।</p> <p>(9.3) वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट ने औपनिवेशिक सरकार को कौन-कौन सी दो शक्तियाँ प्रदान की? 2x1=2</p> <p>(i) इसने सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक अधिकार प्रदान किया।</p> <p>(ii) सरकार ने समाचार पत्रों पर नियमित निगरानी रखना आरंभ कर दिया।</p> <p>(iii) बागी खबरों को छापने पर समाचार पत्रों को ज़ब्त किया जा सकता था।</p> <p>(iv) छपाई की मशीनों को भी ज़ब्त किया जा सकता था।</p> <p>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।</p>	127	1+1+2=4
10.	<p style="text-align: center;">संलग्न मानचित्र को देखिए।</p> <p>‘नोटः’ निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 10 के स्थान पर हैं।</p> <p>(10.1) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ सितम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। 1 कलकत्ता/कोलकाता</p> <p>(10.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महात्मा गांधी ने नील किसानों के आंदोलन का नेतृत्व किया। 1 चंपारण</p>		

	खण्ड ख (भूगोल)			20
11.	(D)	रबड़	31	1
12.	(D)	मेघालय	28	1
13.	(A)	नागरकोइल से मदुरै	54	1
14.	<p>.(क) भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।</p> <p>(i) संपूर्ण भारत की संरक्षित प्रजातियों की सूची प्रकाशित की गई। (ii) इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कुछ लुप्तप्राय प्रजातियों की शेष आबादी की रक्षा करना था। (iii) निवास स्थानों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की गई। (iv) शिकार को प्रतिबंधित किया गया। (v) अधिनियम ने वन्यजीवों के व्यापार को प्रतिबंधित किया। (vi) केंद्र और कई राज्य सरकारों ने राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य स्थापित किए। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है। अथवा</p> <p>(ख) भारत में 'आरक्षित वनों' की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।</p> <p>(i) भारत में कुल वन क्षेत्र का आधे से अधिक आरक्षित वन घोषित किया गया है। (ii) वन संरक्षण के संदर्भ में आरक्षित वन सबसे मूल्यवान माने जाते हैं। (iii) आरक्षित वन वन्यजीव संसाधनों के लिए मूल्यवान हैं। (iv) आरक्षित वन ऐसे स्थायी वन क्षेत्र हैं जिनका रख – रखाव इमारती लकड़ी, अन्य वन पदार्थों और उनके बचाव के लिए किया जाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।</p>		14	2X1=2
			15	2X1=2
15.	<p>मृदा निर्माण के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या कीजिए।</p> <p>(i) उच्चावच (ii) जनक शैल अथवा संस्तर शैल (iii) जलवायु (iv) वनस्पति एवं अन्य जैव पदार्थ (v) समय (vi) तापमान (vii) बहते पानी की क्रिया (viii) पवन एवं हिमनद (ix) अपघटन क्रियाएँ (x) रासायनिक और जैविक परिवर्तन (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>		6	3X1=3

16.	<p>(क) भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए।</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) कच्चे सूती कपास की उपलब्धता सूती वस्त्र उद्योग के विकास को बढ़ावा देता है। (ii) सूती कपास का उत्पादन महाराष्ट्र और गुजरात जैसे क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में होता है जहाँ काली मिट्टी पाई जाती है। (iii) इस क्षेत्र की जलवायु सूती रेशे को चमकदार और मजबूत बनाता है। (iv) यह सूती, रेशमी, जरी, कढ़ाई आदि में बुनाई की पारंपरिक कला और डिजाइन को शामिल करने का अवसर प्रदान करता है। (v) निकटवर्ती बाजार की सुविधा विस्तार में सहायक होती है। (vi) परिवहन सहित सुलभ बंदरगाह सुविधा और अधिक मदद करती है। (vii) सस्ती मजदूरी सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण में मदद करती है। (viii) रसायन और रंग, पैकेजिंग सामग्री और इंजीनियरिंग कार्य जैसी द्वितीयक क्षेत्रक के उद्योग इस उद्योग द्वारा समर्थित हैं। (ix) सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना के लिए सरकारी समर्थन डिजाइन, पैकेजिंग, दर्जी और सिलाई में काम करने के अवसर उत्पन्न करते हैं। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु <p style="text-align: center;">किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है। अथवा</p> <p>(ख) पर्यावरण निम्नीकरण के नियंत्रण हेतु किन्हीं पाँच सुझावों की व्याख्या कीजिए।</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) विभिन्न प्रक्रियाओं में जल का न्यूनतम उपयोग तथा जल का दो या अधिक उत्तरोत्तर अवस्थाओं में पुनर्चक्रण द्वारा पुनः उपयोग। (ii) जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्षा जल का संग्रहण। (iii) नदियों में छोड़ने से पहले गर्म पानी और अपवाहों का शोधन करना। (iv) कारखानों में ऊँची चिमनियाँ लगाकर निलंबित प्रदूषण को कम किया जा सकते हैं। (v) कोयले के स्थान पर तेल और गैस का उपयोग करके धुआँ कम किया जा सकता है। (vi) मशीनरी को ध्वनि कम करने के लिए उसे पुनः डिजाइन किया जाना चाहिए। (vii) अपशिष्ट पदार्थों का न्यून उत्पादन। (viii) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए हरित क्षेत्र का निर्माण करना, जिसकी नियमित निगरानी और समीक्षा की जा सके। (ix) सतत विकास की चुनौती आर्थिक विकास को पर्यावरणीय चिंताओं के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु <p style="text-align: center;">किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>	60	5X1=5
17.	<p>दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:</p> <p style="text-align: center;">‘शस्य प्रारूप’</p> <p>रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काटा जाता है। खरीफ फसलें देश के विभिन्न क्षेत्रों में मानसून के आगमन के साथ बोई जाती हैं और सितंबर-अक्टूबर में काट ली जाती हैं। रबी और खरीफ फसलों के बीच कम वर्षा में बोई जाने वाली फसल को ‘जायद फसल’ कहा जाता है।</p>	32	1+1+2=4

	<p>(17.1) चावल की कृषि किस प्रकार की कृषि – ऋतु का उदाहरण है? 1 खरीफ</p> <p>(17.2) भारत में अप्रैल से जून के मध्य काटी जाने वाली किसी एक फसल का नाम लिखिए। 1</p> <p>(i) गेहूँ (ii) जौ (iii) मटर (iv) चना (v) सरसों (vi) कोई अन्य</p> <p>किसी एक फसल का उल्लेख अपेक्षित है।</p> <p>(17.3) किन्हीं दो जायद फसलों के नाम लिखिए। 2x1=2</p> <p>(i) तरबूज (ii) खरबूज (iii) खीरा (iv) सब्जियों (v) कोई अन्य</p> <p>किन्हीं दो फसलों का उल्लेख अपेक्षित है।</p>		
18.	<p>संलग्न मानचित्र को देखिए।</p> <p>नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए संख्या 18 के स्थान पर हैं: किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।</p> <p>(18.1) महानदी पर स्थित एक प्रमुख बांध का नाम लिखिए। 1 हीराकुड बांध</p> <p>(18.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ उत्तर प्रदेश में एक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क अवस्थित है। 1 नोएडा</p> <p>(18.3) तमिलनाडु में स्थित एक प्रमुख समुद्री पत्तन का नाम लिखिए। 1 तूतीकोरिन/चेन्नई</p> <p>(18.4) भारत के पूर्व – पश्चिम गलियारे का सबसे पूर्वी टर्मिनल स्टेशन का नाम लिखिए। 1 सिलचर</p> <p>(यदि परीक्षार्थी 18.4 प्रश्न का उत्तर दिय है तो उसे 1 अंक प्रदान किया जाए।)</p>		

	खण्ड ग (राजनीति विज्ञान)			20
19.	B D	सिंहली को राजभाषा घोषित करना / सिंहलियों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता की नीति लागू करना। यदि परीक्षार्थी ने दोनों में से किसी भी विकल्प का चयन किया है तो उसे अंक प्रदान किया जाए।	3	1
20.	D	ऑस्ट्रेलिया	15	1
21.	A	केवल I, II और III सही हैं।	48–49	1
22.	C	a-iv, b-i, c-iii, d-ii	16–17	1
23.		<p>“शिकायतों का बने रहना लोकतंत्र की सफलता की गवाही देता है।” उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।</p> <p>(i) एक लोकतंत्र में, लोगों की अधिक उम्मीदें होती हैं और कई शिकायतें होती हैं।</p> <p>(ii) वे अधिक मांग करते हैं और लोकतंत्र को और भी बेहतर बनाना चाहते हैं।</p> <p>(iii) यह प्रदर्शित करता है कि लोगों में अपने अधिकारों और व्यवस्था के प्रति जागरूकता विकसित हुई है।</p> <p>(iv) इससे प्रदर्शित होती है कि लोगों में सत्तारूढ़ और प्रभावशाली लोगों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालने की क्षमता विकसित हुई है।</p> <p>(v) सार्वजनिक अभिव्यक्ति लोगों को प्रजा की स्थिति से नागरिक की स्थिति में परिवर्तित कर देती है।</p> <p>(vi) अधिकांश व्यक्ति अब विश्वास करते हैं कि उनका मतदान सरकार के संचालन को प्रभावित करता है।</p> <p>(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।</p>	72	2x1=2
24.		<p>भारत में ‘दलीय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कोई दो उपाय सुझाइए।</p> <p>(i) आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत किया जाना चाहिए।</p> <p>(ii) पैसों और अपराधी तत्वों की भूमिका पर रोक लगनी चाहिए।</p> <p>(iii) राजनीतिक दलों को मतदाताओं को उचित विकल्प उपलब्ध करवाना चाहिए।</p> <p>(iv) राजनीतिक दलों में सामान्य कार्यकर्ताओं को सत्ता में आने के सामान अवसर मिलने चाहिए।</p> <p>(v) राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य कर देना चाहिए कि वे कम से कम एक-तिहाई टिकट, महिला उम्मीदवारों को दें।</p> <p>(vi) नागरिक, दबाव समूह, आंदोलन, और मीडिया, राजनीतिक दलों पर चुनौतियों से निपटने के लिए दबाव डाल सकते हैं।</p> <p>(vii) इसे सामाजिक और क्षेत्रीय विभाजन को समाहित करने के योग्य होना चाहिए।</p> <p>(viii) भारत को अपनी सामाजिक और भौगोलिक विभिन्नताओं को ध्यान रखते हुए बहुदलीय व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए।</p> <p>(ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।</p>	51–61	2x1=2

25.	<p>“संघीय व्यवस्था के कारगर कामकाज के लिए संवैधानिक प्रावधान जरूरी है।” भारत के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) संविधान ने भारत को राज्यों का संघ घोषित किया। हालांकि इसमें ‘संघ’ शब्द का उपयोग नहीं किया गया, भारतीय संघ संघवाद के सिद्धांतों पर आधारित है। (ii) संविधान ने स्पष्ट रूप से संघ सरकार और राज्य सरकारों के मध्य विधायी शक्तियों का तीन सूचियों के माध्यम से वितरण किया है, – संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। (iii) एक स्वतंत्र न्यायपालिका है जो संवैधानिक प्रावधानों और प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन की निगरानी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। (iv) किसी भी शक्ति वितरण के विवाद के विषयों में, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय संविधान की व्याख्या करके निर्णय करते हैं। (v) संविधान के प्रावधान में किसी भी परिवर्तन को सबसे पहले संसद के दोनों सदनों द्वारा कम से कम दो-तिहाई बहुमत से पारित किया जाना चाहिए। फिर इसे कुल राज्यों के कम से कम आधे की विधायिकाओं द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है। (vi) केन्द्र और राज्य सरकारों के पास सरकार चलाने और प्रत्येक को सौंपी गई जिम्मेदारियों को निभाने के लिए कर लगाने के द्वारा संसाधन जुटाने का अधिकार है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु <p style="text-align: center;">किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>	16–17	3x1=3
26.	<p>(क) सत्ता में साझेदारी के बेल्जियम मॉडल एवं श्रीलंका मॉडल की तुलना कीजिए।</p> <p>बेल्जियम मॉडल</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) बेल्जियम सरकार ने समायोजन के मॉडल को अपनाया। (ii) उन्होंने अपने देश की क्षेत्रीय अंतरों और सांस्कृतिक अंतरों को स्वीकार किया। (iii) उन्होंने 1970 और 1993 के बीच चार बार संवैधानिक बदलाव किए जिससे प्रत्येक व्यक्ति/समूह मिलजुलकर रह सकें। (iv) उन्होंने अलग-अलग समुदायों की भावनाओं और हितों का सम्मान किया। (v) राज्य सरकार केंद्र सरकार के अधीन नहीं हैं। (vi) फ्रेंच बहुसंख्यकों ने ब्रूसेल्स में राज्य स्तर की सरकार में डच और फ्रेंच मंत्रियों की समान संख्या स्वीकार की। (vii) बेल्जियम में डच बहुसंख्यकों ने केंद्र सरकार में फ्रेंच और डच मंत्रियों की समान संख्या स्वीकार की। (viii) एक तीसरी तरह की सरकार – ‘सामुदायिक सरकार’ ने यह सुनिश्चित किया कि जर्मन अल्पसंख्यक अलग-थलग महसूस न करें। (ix) सामुदायिक सरकार तीनों नृजातिय समुहों के सांस्कृतिक, शिक्षा और भाषा से जुड़े विषयों पर कानून निर्माण करती है। (x) कोई भी समुदाय एकतरफा निर्णय नहीं ले सकती। (xi) उन्होंने सत्ता में साझेदारी की व्यवस्था को आपसी सहमति प्रदान की। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु <p>श्रीलंका का मॉडल</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) श्रीलंका की सरकार ने बहुसंख्यकवाद के मॉडल को अपनाया। 	3–5	5x1=5

	<p>(ii) उन्होंने अपने क्षेत्रीय अंतरों और सांस्कृतिक विविधताओं को नज़रअंदाज़ किया।</p> <p>(iii) 1956 में बहुसंख्यक आबादी की इच्छा पूरी करने के लिए एक एक्ट पास किया गया।</p> <p>(iv) उन्होंने सिंहली को ही एकमात्र राजभाषा बना दिया।</p> <p>(v) सरकार ने विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों के लिए सिंहलियों को प्राथमिकता की नीति का अनुसरण किया।</p> <p>(vi) नए संविधान में यह प्रावधान किया गया कि राज्य बौद्ध धर्म को संरक्षण और बढ़ावा देगी।</p> <p>(vii) उन्होंने अल्पसंख्यकों की भावना को दबाया।</p> <p>(viii) उन्होंने सत्ता में भागीदार बनाने से मना कर दिया।</p> <p>(ix) श्रीलंका के तमिलों ने तमिल को राजभाषा के तौर पर मान्यता दिलाने, क्षेत्रीय स्वायत्तता की मांग और शिक्षा और रोजगार में समान अवसरों के लिए संघर्ष किया।</p> <p>(x) 1980 के दशक तक, कई राजनीतिक संगठनों ने एक अलग तमिल ईलम (राज्य) की मांग की।</p> <p>(xi) दोनों समुदायों के बीच अविश्वास एक गृहयुद्ध में बदल गया जो 2009 में खत्म हुआ।</p> <p>(xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर तुलना अपेक्षित है। अथवा</p> <p>(ख) लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।</p> <p>(i) यह सामाजिक समुदायों के मध्य टकराव की संभावना को कम कर देती है।</p> <p>(ii) यह राजनीतिक व्यवस्था के स्थायित्व को सुनिश्चित करती है।</p> <p>(iii) यह बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक समुदायों को शामिल करती है।</p> <p>(iv) यह लोकतंत्र की आत्मा है।</p> <p>(v) लोगों को यह अधिकार है कि उनसे सलाह ली जाए कि उन पर शासन किस प्रकार किया जाए।</p> <p>(vi) एक वैध सरकार वह होती है जहाँ नागरिक सहभागिता के माध्यम से व्यवस्था में हिस्सेदारी हासिल करते हैं।</p> <p>(vii) यह देश की एकता को मज़बूत करती है।</p> <p>(viii) यह लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को मज़बूत करती है।</p> <p>(ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>	6	5x1=5
27.	<p>दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: कितने राजनीतिक दल?</p> <p>कई देशों में सिर्फ एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इस कारण उन्हें एकदलीय शासन – व्यवस्था कहा जाता है। कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच ही बदलती रहती है। वहाँ अनेक दूसरी पार्टियाँ हो सकती हैं, वे भी चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीत सकती हैं पर सिर्फ दो ही दल बहुमत पाने और सरकार बनाने के प्रबल दावेदार होते हैं। इसे दो – दलीय व्यवस्था कहा जाता है। जब अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हों और दो दलों से ज्यादा के लिए या तो अपने दम पर या दूसरों से गठबंधन करके सत्ता में आने का ठीक – ठाक अवसर हो तो इसे हम बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं।</p> <p>(27.1) 'बहुदलीय व्यवस्था' की प्रमुख विशेषता को स्पष्ट कीजिए। 1</p> <p>(i) कई राजनीतिक दल सत्ता के लिए प्रस्पर्धा करते हैं।</p> <p>(ii) दो से अधिक राजनीतिक दलों के पास अपनी शक्ति या दूसरों के साथ गठबंधन में सत्ता पाने की वास्तविक संभावना होती है।</p>	51	1+1+2=4

	<p>(iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।</p> <p>(27.2) 'एकदलीय शासन – व्यवस्था' क्यों लोकतंत्र के अनुरूप नहीं है?1</p> <p>(i) ये नागरिकों को अपनी सरकार के चयन में विकल्पों से वंचित करती है।</p> <p>(ii) एक दलीय व्यवस्था लगभग तानाशाही व्यवस्था की तरह कार्य करती है।</p> <p>(iii) एक दलीय प्रणाली मतदाताओं को सार्थक विकल्प उपलब्ध नहीं करवाती है।</p> <p>(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु</p> <p>(27.3) गठबंधन सरकार की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।2x1=2</p> <p>(i) एक बहु-पक्षीय प्रणाली में जब कोई एक पार्टी बहुमत वोट नहीं जुटा पाती, तो सरकार बनाने के लिए उसे अन्य पार्टियों का समर्थन लेना पड़ता है।</p> <p>(ii) यह प्रणाली विभिन्न हितों और विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करती है।</p> <p>(iii) यह सरकार में किसी एक दल की मनमानी को रोकती है।</p> <p>(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।</p> <p>किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>		
	<p>खण्ड घ (अर्थशास्त्र)</p>		20
28.	(B) ऋणदाता के लिए ऋण सुरक्षित करना	44	1
29.	(B) उच्च प्रति व्यक्ति आय	8	1
30.	(D) भारतीय रेलवे	33	1
31.	(C) ओडिशा, बिहार, हरियाणा, केरल	10	1
32.	(D) अभिकथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही हैं।	20	1
33.	(B) स्थानीय उद्योगों की रक्षा करने के लिए	64	1
34.	(B) क्योंकि इसे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्र सरकार की ओर से जारी किया जाता है।	40	1
35.	<p>अर्थव्यवस्था के 'प्राथमिक क्षेत्र' की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।</p> <p>(i) जब हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके कोई वस्तु उत्पादित करते हैं, तो यह प्राथमिक क्षेत्र की एक गतिविधि है।</p> <p>(ii) प्राथमिक क्षेत्र में वे गतिविधियाँ सम्मिलित हैं जो सीधे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके बनाई जाती हैं।</p> <p>(iii) इन गतिविधियों के लिए हम मुख्य रूप से प्राकृतिक कारकों जैसे वर्षा, धूप और जलवायु पर निर्भर करते हैं।</p> <p>(iv) इस क्षेत्र का उत्पाद सामान्यतः एक प्राकृतिक उत्पाद होता है।</p> <p>(v) इस क्षेत्र में उन गतिविधियों को भी शामिल किया जाता है जो कृषि क्षेत्र से संबंधित हैं जैसे डेयरी संबंधी क्रियाकलाप, वानिकी, मछली पकड़ना, पशुपालन।</p> <p>(vi) इस क्षेत्र को कृषि और संबंधित क्षेत्र भी कहा जाता है।</p> <p>(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</p> <p>किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।</p>	20	2x1=2

36.	<p>कृषि क्षेत्रक में अतिरिक्त रोजगार के सृजन हेतु उपाय सुझाइए।</p> <p>(i) सरकार द्वारा बीज, कृषिगत उपकरण, ऋण, भंडारण सुविधा और ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार आउटलेट्स द्वारा समय पर वितरण।</p> <p>(ii) सिंचाई सुविधाओं में सुधार किया जाना चाहिए।</p> <p>(iii) किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रशिक्षित और प्रेरित किया जाना चाहिए।</p> <p>(iv) किसानों को सरल और सस्ते ऋण की अधिक सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जानी चाहिए जैसे कि किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) बनाया जाना चाहिए।</p> <p>(v) किसानों के लाभ के लिए अधिक प्रावधान पेश किए जाने चाहिए जैसे कि फसल बीमा आदि।</p> <p>(vi) कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की समय-समय पर वृद्धि का प्रावधान होना चाहिए।</p> <p>(vii) सरकार को कृषि संबंधित क्षेत्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।</p> <p>(viii) सरकार को सहकारी खेती को बढ़ावा देना चाहिए।</p> <p>(ix) कृषि-आधारित उद्योगों का विकास होना चाहिए।</p> <p>(x) ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के नियंत्रण में अधिक रोजगार सृजन योजनाएँ जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम – 2005 (मनरेगा)/विकसित भारत –जी राम जी आरंभ की जानी चाहिए।</p> <p>(xi) कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु</p> <p>किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</p>	28–29	3x1=3										
37.	<p>‘शरीर द्रव्यमान सूचकांक’ को परिभाषित कीजिए। इसकी गणना करने की विधि की व्याख्या कीजिए।</p> <p>शरीर द्रव्यमान सूचकांक</p> <p>1</p> <p>शरीर द्रव्यमान सूचकांक वह मापदण्ड है जिसका इस्तेमाल पोषण वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए करते हैं कि हमें ठीक से पोषण मिल रहा है या नहीं।</p> <p>गणना का तरीका</p> <p>2</p> <p>(i) इसकी गणना वज़न (kgs) ÷ ऊँचाई का वर्ग (मीटर्स में) के द्वारा की जाती हैं।</p> <p>(ii) अगर व्यक्ति की ऊँचाई सेंटीमीटर में है, तो उसे मीटर में बदलें और वज़न (kgs में) को ऊँचाई का वर्ग (m²) से विभाजित कीजिए।</p> <p>(iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु</p>	13	1+2=3										
38.	<p>(क) साख के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों में अंतर स्पष्ट कीजिए।</p> <table><tr><th>साख के औपचारिक स्रोत</th><th>साख के अनौपचारिक स्रोत</th></tr><tr><td>(i) भारतीय रिजर्व बैंक इनकी निगरानी करती है।</td><td>(i) इनकी कोई निगरानी नहीं करता।</td></tr><tr><td>(ii) ब्याज दर कम होती है।</td><td>(ii) उच्च ब्याज दर।</td></tr><tr><td>(iii) पुर्नभुगतान सरल होता है।</td><td>(iii) ऋण जाल में फंसने की संभावना अधिक होती है।</td></tr><tr><td>(iv) कर्जदार पर ऋण का कम भार।</td><td>(iv) कर्जदार पर ऋण भार अधिक।</td></tr></table>	साख के औपचारिक स्रोत	साख के अनौपचारिक स्रोत	(i) भारतीय रिजर्व बैंक इनकी निगरानी करती है।	(i) इनकी कोई निगरानी नहीं करता।	(ii) ब्याज दर कम होती है।	(ii) उच्च ब्याज दर।	(iii) पुर्नभुगतान सरल होता है।	(iii) ऋण जाल में फंसने की संभावना अधिक होती है।	(iv) कर्जदार पर ऋण का कम भार।	(iv) कर्जदार पर ऋण भार अधिक।	48–49	5x1=5
साख के औपचारिक स्रोत	साख के अनौपचारिक स्रोत												
(i) भारतीय रिजर्व बैंक इनकी निगरानी करती है।	(i) इनकी कोई निगरानी नहीं करता।												
(ii) ब्याज दर कम होती है।	(ii) उच्च ब्याज दर।												
(iii) पुर्नभुगतान सरल होता है।	(iii) ऋण जाल में फंसने की संभावना अधिक होती है।												
(iv) कर्जदार पर ऋण का कम भार।	(iv) कर्जदार पर ऋण भार अधिक।												

(v) ऋण की शर्तें पूर्वनिर्धारित होती हैं।	(v) कभी – कभी ऋण की शर्तें पूर्वनिर्धारित नहीं होती हैं।
(vi) समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता होती है।	(vi) समर्थक ऋणाधार आवश्यक नहीं होता है।
(vii) बैंक, सहकारी समूह इसके प्रमुख स्रोत हैं।	(vii) मित्र, नियोक्ता, महाजन इसके प्रमुख स्रोत हैं।
(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु	(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु

अंतर के किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

अथवा

(ख) 'स्वयं –सहायता समूहों' की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए।

- (i) स्वयं सहायता समूह का प्रमुख विचार गांव के निर्धनों, विशेषतः महिलाओं को एकत्र करना है।
- (ii) एक सामान्य स्वयं सहायता समूह में 15–20 सदस्य होते हैं, जो आम तौर पर एक ही मोहल्ले के होते हैं।
- (iii) ये सदस्य नियमित रूप से मिलते हैं और बचत करते हैं।
- (iv) वे अपनी बचत करने की क्षमता के आधार पर 25 से 100रु या उससे अधिक जमा करते हैं।
- (v) बचत और ऋण से संबंधित अधिकांश आवश्यक निर्णय समूह के सदस्य लेते हैं।
- (vi) उद्देश्य, रकम, ब्याज दर, ऋण भुगतान की प्रक्रिया पर सदस्य ही निर्णय लेते हैं।
- (vii) सदस्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए समूह से छोटे – छोटे ऋण ले सकते हैं जैसे – गिरवी रखी जमीन को छुड़ाना, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करना, घर बनाने आदि।
- (viii) स्वयं सहायता समूह ऋण पर साहूकारों से कम ब्याज लेते हैं।
- (ix) एक या दो साल बाद, अगर समूह नियमित बचत करते हैं, तो वह बैंक से ऋण लेने के पात्र हो जाता है।
- (x) बैंक स्वयं सहायता समूहों को बिना समर्थक ऋणाधार के ऋण देने को तैयार होते हैं।
- (xi) समूह की नियमित बैठकों में कई तरह के सामाजिक मुद्दों पर चर्चा होती है।
- (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु

किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

50–51

5x1=5

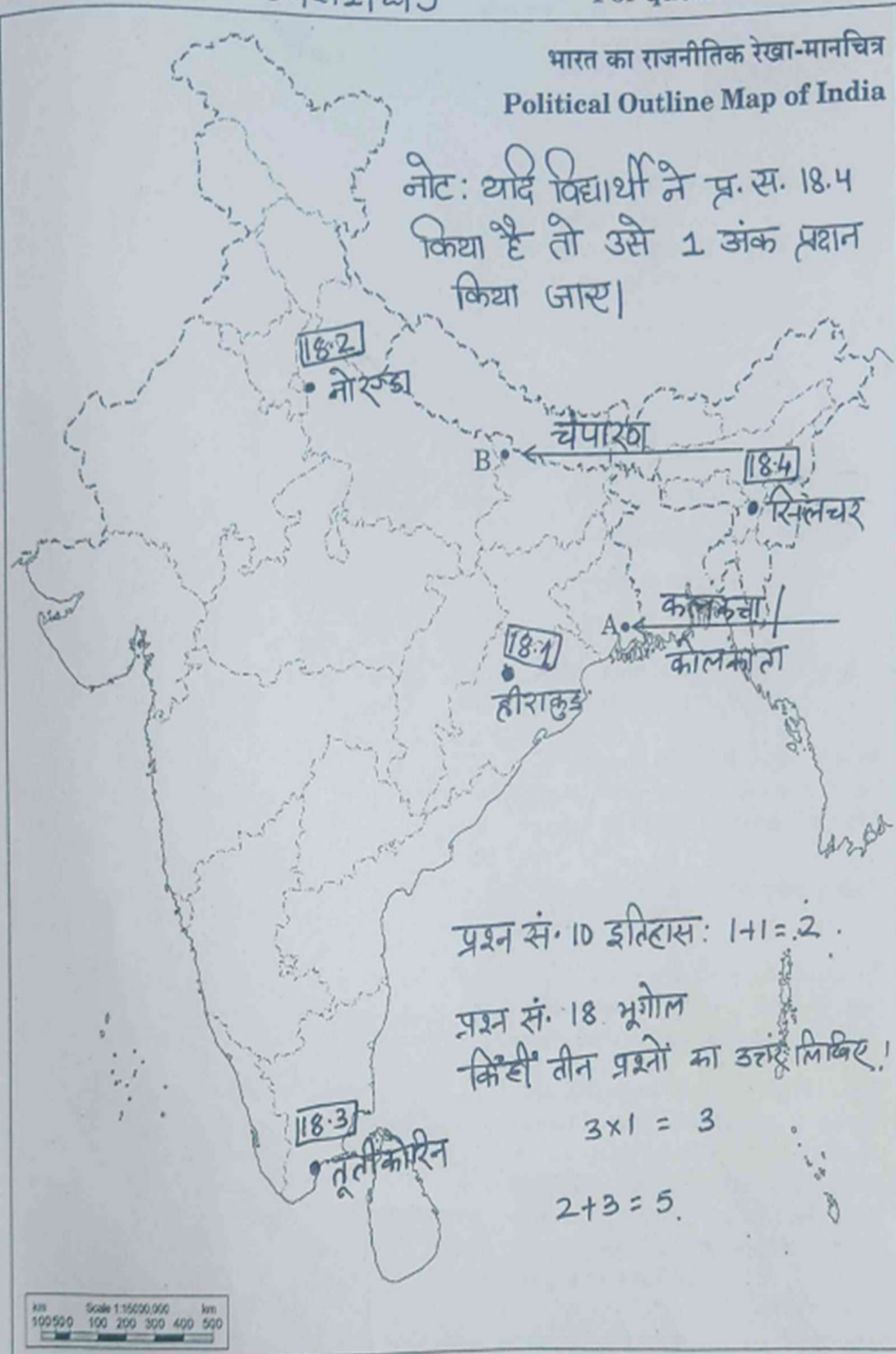
प्रश्न सं. 10 और 18 के लिए 32/2/1/2/3

For questions no. 10 and 18



भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र
Political Outline Map of India

नोट: यदि विद्यार्थी ने प्र. सं. 18.4
किया है तो उसे 1 अंक प्रदान
किया जाए।



प्रश्न सं. 10 इतिहास: 1+1=2

प्रश्न सं. 18 भूगोल
किसी तीन प्रश्नों का उत्तर लिखिए!

$$3 \times 1 = 3$$

$$2 + 3 = 5$$